सिस्सू- -रुट ट्रैनर मे उच्च गुणवत्ता के पौध तैयारी

प्रजाति का नाम - सिस्सू
वनस्पति का नाम- डलवर्जिया सिस्सू

परिचय

यह लैग्यूमिनेसी कुल का वृक्ष है यह पर्णपाती वनों में पाया जाता है।

पहचान

इसके वृक्ष तकरीबन 20 से 25 मी. ऊँचे एवं 75 से 150 सेमी. गोलाई वाले होते हैं। इसके फूल सफेद पीले रंग के छोटे एवं बिना डंठल के वृक्ष पर लगे दिखते हैं। इसके फल सेम की फली की तरह लंबे एवं 03 से 08 सेमी लंबे एवं 0.6 से 1.5 सेमी तक चौडे आकार की होती हैं। इसकी छाल पर गहरे धूसर रंग की लंबी धारियों वाली कटी-फटी संरचना वाली होती है। यह वृक्ष तने पर पायी जाने वाली कटी-फटी लंबी धारियों वाली छाल एवं पत्तियों में गोलाई के साथ पाये जाने वाले नुकीलेपन के कारण आसानी से पहचाना जाता है।

प्राप्ति स्थान

यह ज्यादातर हिमालय के तटीय क्षेत्रों में पाया जाता है। इसके साथ ही यह उ.प्र., म.प्र. पंजाब, महाराष्ट्र, कर्नाटक एवं गुजरात में भी पाया जाता है। म.प्र. में यह जबलपुर, ग्वालियर, शिवपुरी, सीधी, बालाघाट आदि जिलों में पाया जाता है।

स्थानीय कारक (Locality Factor)

यह दोमट, बुलुई मिट्टी पर अच्छी वृद्धि करता है।

बीज चक्र (Seed Cycle)

बीजोत्पादन प्रतिवर्ष होता है। इसके प्रत्येक फली में एक बीज होता है।

ऋतुजैविकी (Phenology)

स्थानीय जलवायु के अनुसार फूल एवं फल के समय में भिन्नता देखने को मिलती है परन्तु इस वृक्ष में फूल मार्च-अप्रैल के मध्य एवं फल दिसंबर से जनवरी के मध्य पककर तैयार होते हैं। बीज का संग्रहण जनवरी फरवरी के मध्य किया जाना चाहिए।

प्रतिकिलो बीजों की संख्या

प्रतिकिलो बीजों की संख्या 50000 से 55000 पायी जाती है।

जीवन क्षमता अवधि

बीज की जीवन क्षमता अवधि 9 से 12 महीने तक होती है।

सुसुप्तावस्था

बीज में किसी भी तरह की सुसुप्तावस्था नहीं होती है।

अंकुरण क्षमता

बीज की अंकुरण क्षमता 60 से 80 प्रतिशत तक होती है।

पौध प्रतिशत

पौध प्रतिशतता 40 से 60 प्रतिशत तक होती है।

उपयुक्त भंडारण विधि

कम तापमान पर सील्ड पॉलीथीन बैग में भंडारित किया जाना चाहिए।

उपयोगिता की अवधि

बीज को संग्रहण के पश्चात् 06 से 09 माह के अंदर उपयोग कर लिया जाना चाहिए।

बुआई पूर्व उपचारण

किसी विशेष उपचार की आवश्यकता नही होती है परन्तु बीज को 24 घंटे ठंडे पानी मे डुबोकर उपयोग करने पर शीघ्र एवं अधिक अंकुरण प्राप्त होता है।

अंकुरण हेतु उपयुक्त माध्यम

बीज की बुवाई हेतु उपयुक्त माध्यम रेत है।

बुआई का समय

बीज की बुआई का उपयुक्त समय माह फरवरी मार्च है।

100 पौधे हेतु आवश्यक बीजों की मात्रा

100 पौधे तैयार करने हेतु 4 से 6 ग्राम बीजों की आवश्यकता होती हैं।

बुआई हेतु उपयुक्त विधि

सिस्सू के बीजों की बुवाई करने के लिए फली से इसका बीज अलग करना काफी कठिन होता है अतः फली के टुकड़े कर लेना चाहिए एवं इन्हें दो से तीन सेंमी. के अंतर पर उपरोक्तानुसार उपचारित कर सीधे बीज की बुआई जर्मिनेशन ट्रे अथवा क्यारी में 5 से 8 सेमी. रेत की परत बिछाकर उपरोक्त वर्णित उपचारण पश्चात् बुवाई करने पर सामान्य अंकुरण से अधिक अंकुरण प्राप्त होता है। परंतु रुट ट्रैनर मे पौध तैयारी के लिये उक्त उपचारण से सीधे बीज उपचारित कर रुट ट्रैनर मे भी बीज की बुवाई की जा सकती है। इसके बीजों में अंकुरण 07 से 10 दिवस उपरांत प्रारंभ हो जाता है। अंकुरण के दौरान निंदाई करना अत्यंत आवश्यक है।

रुट ट्रैनर में बीमारी एवं बचाव

रूट ट्रैनर में किसी भी तरह की बीमारी दिखने पर नीम की पत्तियों को 03 से 04 दिन भिंगोकर रखने

Scanned with OKEN Scanner

पर उससे प्राप्त अर्क को पौधों पर छिडकाव करने से बीमारी से बचाव किया जा सकता है।

पॉटिंग मिश्रण

विभिन्न रुट ट्रैनर साइजों में कुल 37 प्रकार के पोटिंग मिक्चर का प्रयोग किया गया। जिसमें अधिकतम पौध वृद्धि रेत + मिट्टी + गोबर खाद (1:1:1) के साथ 60 ग्राम एजेटोबैक्टर बायो फटिलाईजर प्रति पौध में देखी गई। अतः यह मिश्रण इस प्रजाति की पौध वृद्धि के लिये अत्यंत उपयोगी होगा।

रुट ट्रैनर का साइज

300 से 400 सीसी साइज के रुट ट्रैनर पौधो की अच्छी वृद्धि के लिए उपयुक्त पाये गये।

रोपण हेतु पौध ऊँचाई / आयु

उपरोक्त साईज के रुट ट्रैनर मे तैयार 06 से 08 माह की आयु के पौधे रोपण हेतु उपयुक्त होते हैं। रोपण के समय पौधे की कुल लंबाई 100 से 115 सेमी या उससे अधिक होनी चाहिए।

उपयोग

इस वृक्ष से प्राप्त लकडी का प्रयोग इमारती लकडी के रूप में, उत्तम गुणवत्ता के फर्नीचर, रेल्वे स्लीपर वाद्य यंत्र एवं चारकोल तैयार करने में किया जाता है। इसके साथ ही साथ इससे जलाऊ लकड़ी भी प्राप्त की जाती है। इससे निकलने वाले तेल का प्रयोग स्नेहक (ल्यूब्रिकेन्ट) के रूप में किया जाता है मवेशियों के लिए चारा भी इस वृक्ष से प्राप्त किया जाता है।

संपर्क

डॉ. अर्चना शर्मा

वरिष्ठ वैज्ञनिक

राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर (म.प्र)

(0761) 2666529, 2665540

सिस्सू रुट ट्रेनर में उच्च गुणवत्ता के पौध तैयारी

(डलवर्जिया सिस्सू)

वन उत्पादकता प्रभाग

राज्य वन अनुसंधान संस्थान

पोलीपाथर, जबलपुर (म.प्र.) 482008

www.mpsfri.org

2025, 15:50

Scanned with OKEN Scanner